31

महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

31.1 रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम मंत्रालय में महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यावयायिक प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं के समाजार्थिक विकास के उद्देश्य के आरंभ किए गए थे । महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए केन्द्र तथा राज्य दोनों क्षेत्रों के तहत संस्थानों का एक नेटवर्क स्थापित किया गया है । ये संस्थान उच्च रोजगारपरकता वाले कौशलों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन करते हैं ।

31.2 केन्द्रीय क्षेत्र के तहत, एक राष्ट्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (एन वी टी आई), नौएडा तथा दस क्षेत्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान (आर वी टी आई) स्थापित किए गए । पिछले एक वर्ष के दौरान, राष्ट्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान / क्षेत्रीय महिला व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों में 50 नए प्रशिक्षण एकक आरंभ किए गए, जिसके परिणामस्वरूप कुल सीट क्षमता 2376 से बढ़कर 3232 हो गई। जनवरी, अगस्त एवं अक्तूबर 2003 में विशेष अभियान आरंभ करके 980 से अधिक प्रशिक्षण सीटें शामिल की गईं । व्यवसायों तथा प्रशिक्षण के लिए भर्त्ती की क्षमता संबंधी सूची रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय की वैबसाइट www.dget.nic.in. पर उपलब्ध है ।

31.3 राज्य क्षेत्र के तहत, शिल्पकार स्तर पर (बुनियादी पाठ्यक्रम)विशेष रूप से महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण सुविधाएं, महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (डब्ल्यू आइ टी आई एस) सम्बद्ध राज्य सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिला विंगों के नेटवर्क के माध्यम से प्रदान की जाती है । लगभग 800 संस्थान (218 महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 582 महिला विंग) हैं जिनमें लगभग 46658 प्रशिक्षण सीटें हैं । शिल्पकार प्रशिक्षण में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् ने यह सिफारिश की है कि राज्य

सरकार सामान्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में महिलाओं के लिए 25% सीटें आरक्षित करें ।

31.4 संयुक्त राष्ट्र के श्रम विभाग द्वारा प्रदत्त निधियों से (1.3 अमनीकी डालर) 'भारत में महिलाओं के लिए उचित रोजगार' पर एक पायलेट कार्यक्रम, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन एवं रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित किया जा रहा है । दिल्ली तथा बंगलौर में कार्यान्वित की जा रही परियोजना में अनौपचारिक क्षेत्र में 2000 महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कने की परिकल्पना की गई है तथा इन प्रशिक्षित महिलाओं में से लगभग 1500 महिलाओं को उचित वेतन/स्व-रोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान की जाएगी । झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र की 1700 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया तथा 70 % को स्व-रोजगार प्रदान किया गया । परियोजना के तहत दोहराने योग्य पैकेज तैयार किए जा रहे हैं तथा पायलेट परियोजना का विस्तार मुबई तथा कोलकाता में भी किया जाएगा ।